Bamak, a sraail glacier of about 6 sq. km. has been studied under the Himalayan Glaciology Programme during 1992-95. The studies have indicated that the glacier snout is receding at an average rate of about 17 metres per year. Recent scientific reports have indicated that glaciers in other parts of the world have also shown similar receding trend,

(b) To minimise the pollution of the river Ganga and improve its water quality, the scheme of Ganga Action Plan covering 25 towns along the river was started in 1985. This scheme is now nearing completion. The second phase of the Action Plan was started in 1995 to cover the additional towns; and the work which could not be taken up in the first phas*. The scheme is targetted for completion by 2001.

गंगोत्री औऱ गोमुख के आसपास दूषित होता वातावरण

4160. **श्री पी. प्रभाकर रेड्डीः**

श्री जनेश्वर मिश्रः

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भांति-भांति के प्रदूषण और ढाबों के खुलने के गंगोत्री और गोमुख के आस पास का वातावरण दूषित हो गया है औऱ वह हिमनद जिससे गंगा निकलती है, लगातार तेजी से सिकुड़ता जा रहा है,

(ख) क्या इस क्षेत्र में पर्यटन आरंभ होने के कारण यह समस्या और अधिक गंभीर हो गई है, औऱ

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार उत्तर भारत के जल संसाधन की मातू नदी को बचाने के लिए वहां पर्यटन तथा मानवीय गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाएगी?

पर्यावरण औऱ वन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाबू लाल मरांडी)ः (क) और (ख) वाडिया इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन जीओलाजी,देहरादून द्वारा गंगोत्री ग्लेसियर पर किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि निकट भविष्य में ग्लेसियर को कोई खतरा नही है। तथापि, गंगोत्री और गोमुख पर्यटकों के लिए खोले जाने पर खाने पीने के स्थान खुलने और अशोधित जलमल छोड़ने के कारण गंगोत्री और गोमुख के आसपास का प्रर्यावरण प्रभावित होता है।

(ग) इस क्षेत्र में प्रदूषण को रोकने के लिए पर्यटन औऱ मानव गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, सरकार ने गंगोत्री सरक्षण परियोजना के अंतर्गत कई कदम उठाए हैं जिनमें निम्नलिखित शामलि हैः-

(1) गंगोत्री स्थित ढाबों, चाय की दुकानों और गेस्ट हाउसों को एल.पी.जी. कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे जलावन लकड़ी के प्रयोग में काफी कमी हुई है।

(2) भोजवास में भोजपत्र को फिर से शुरु करने के लिए यू.एन.डी.पी. से सहायता प्राप्त एक पिरयोजना कार्यन्वित की जाती है।

(3) 400 किलोग्राम प्रतिदिन की क्षमता वाला एक भस्क गंगोत्री में लगाया गया है।

(4) गोमुख से दूर स्त्रो-ट्रेलों और बेस कैंपों को स्थानीय अभियानों जिनमें पर्वतारोहन क्लब औऱ सेना शामिल होती है, की सहायता से इस मौसम में गंगोत्री गोमुख क्षेत्र को कम से कम दो बार साफ किया जाता है।

(5) गंगोत्री और गोमुख के बीच 50 कूडादान रखे गए हैं।

(6) धाराली और झाला में एक एक 20 सीटों वाला सुलभ परिसर बनाया गया है गंगनानी, गंगोत्री , चिरबास और भोजवास में कुछ पूर्निर्मित अस्थायी शौचालय भी प्रदान किए गए हैं,।

(7) एल . पी. जी. टिन्न बर्नर स्टोव और एक कूड़ेदान के साथ विवक इरैक्ट ढाबों के 15 सैट स्थापित किये गये हैं। भोजवास से दूर किसी ढावे की अनुमित नहीं दी गई थी ।

Kerala Government's request for more sugar for Onam

4161. SHRI VAYALAR RAVI: Will the Minister of FOQD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Kerala Govemmeni have requested for more allocation of sugar for Onam festival; and

(b) if so, what steps have been taken to meet the demand?